http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA-I) (Semester–III) Examination
DANCE—IV (Kathak)
Paper—II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

1. Write contribution of Jaipur Gharana in development of Kathak Nritya. 10

OR

Write contribution of Lucknow Gharana in development of Kathak Nritya.

2. Define any two of the following : — 10
   (a) Paran (b) Gatapalta
   (c) Kataksha (d) Chakradhar
3. Explain 'Aaharya Abhinaya' according to Abhinaya Darpan. 10

OR

Explain 'Satvik Abhinaya' according to 'Abhinaya Darpan'.

4. Write a notation of any **two** of the following :— 10
   (a) One Tihaai in Treetal (b) Chakradar Paran in Treetal
   (c) Aamad in Zaptaal (d) Dugun of Ektaal
5. (A) Write the correct alternative :—
   (1) What is meant by Parana ? 1
      (a) Bolas of Tabla (b) Bolas of Dholak
      (c) Bolas of Nagara (d) Bolas of Pakhawaj
   (2) What is meant by Gata-Bhaw ? 1
      (a) Explain a story with expression (b) Singing
      (c) Playing Instrument (d) Jumping
   (3) Beautiful Pose with Hast Greewa and Netra Sanchalan : 1
      (a) Karana (b) Anagahar
      (c) Thaat (d) Batt
   (4) What is meant by Tatkar ? 1
      (a) Foot works (b) Hand movements
      (c) Head movements (d) Anga Sanchalan
   (5) What is meant by Nikas ? 1
      (a) Enter (b) To exit
      (c) Stop (d) Running

   (B) Match the pairs :— 5

A	B
(1) Thumari	(a) Sanyukta Hasta
(2) Makhan-Chori	(b) Kathak Abhinaya
(3) Chakra	(c) Krishan-leela
(4) Maura	(d) Bhramary
(5) Kapota	(e) Nritya Hasta

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA-I) (Semester–III) Examination

DANCE—IV (Kathak)

Paper—II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

(मराठी माध्यम)

1. कथक नृत्य शैलीच्या विकासात जयपूर घराण्याच्या योगदाना बद्दल माहिती द्या. 10

किंवा

कथक नृत्य शैलीच्या विकासात लखनऊ घराण्याच्या योगदाना बद्दल माहिती द्या.

2. खालील पैकी कोणत्याही **दोन** शब्दांची व्याख्या लिहा :– 10

(अ) परण (ब) गत पलटा

(क) कटाक्ष (ड) चक्रधार

3. अभिनय दर्पणानुसार "आहार्य अभिनया" बद्दल माहिती द्या. 10

किंवा

अभिनय दर्पणानुसार "सात्वीक अभिनया" बद्दल माहिती द्या.

4. खालीलपैकी कोणतेही **दोन** प्रश्न लीपिबद्ध करा – 10

(अ) त्रितालात एक तिहाई (ब) त्रितालात एक चक्रदार परण

(क) झपतालात एक आमद (ड) एक तालाची दूगून

5. (अ) योग्य पर्याय निवडून उत्तर लिहा –

(1) परण म्हणजे काय ? 1

(अ) तबलयाचे बोल (ब) ढोलक चे बोल

(क) नगाराचे बोल (ड) पखावजवर वाजणारे बोल

(2) गतभाव म्हणजे काय ? 1

(अ) अभिनय द्वारे कथा प्रस्तुती (ब) गायन करणे

(क) वादय वाजविणे (ड) उड्या मारणे

(3) सुंदर मुद्रेत उभे राहुन हस्त-ग्रीवा-नेत्र संचालन करणे म्हणजे काय ? 1

(अ) करण (ब) अंगहार

(क) थाट (ड) बाट

(4) ततकार म्हणजे काय ? 1

(अ) पद साधना (ब) हस्त संचालन

(क) शिर संचालन (ड) अंग संचालन

(5) निकास म्हणजे काय ? 1

(अ) प्रवेश (ब) निघून जाणे

(क) थांबणे (ड) धावणे

(ब) जोड्या लावा : 5

अ	ब
(1) ठुमरी	(अ) संयुक्त हस्त
(2) माखन चोरी	(ब) कथक अभिनय
(3) चक्र	(क) कृष्ण-लीला
(4) मयुर	(ड) भ्रमरी
(5) कपोत	(इ) नृत्य हस्त

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA-I) (Semester–III) Examination

DANCE—IV (Kathak)

Paper—II

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

(हिन्दी माध्यम)

1. कथक नृत्य शैली के विकास में जयपुर घराने की जानकारी दीजिए। 10

अथवा

कथक नृत्य शैली के विकास में लखनऊ घराने की जानकारी दीजिए।

2. निम्नलिखित किन्हीं दो की परिभाषा लिखिए :– 10

(अ) परण (ब) गतफलटा

(क) कटाक्ष (ड) चक्रधार

3. अभिनय दर्पण के आधार पर 'आहार्य अभिनय' संदर्भ जानकारी दीजिए। 10

अथवा

अभिनय दर्पण के आधार पर 'सात्वीक अभिनय' संदर्भ जानकारी दीजिए।

4. निम्न में से किसी दो को लिपीबद्ध कीजिए :– 10

(अ) त्रिताल में एक तिहाई (ब) त्रिताल में एक चक्रदार परण

(क) झपताल में एक आमद (ड) एकताल की दुगुन

5. (अ) सही पर्याय चुनिये :–

(1) परन से आप क्या समझते हो ? 1

(अ) तबला के बोल (ब) ढोलक के बोल

(क) नगारा के बोल (ड) पखावज पर बजाये जानेवाले बोल

(2) गतभाव याने क्या ? 1

(अ) अभिनय से कथा प्रस्तुति (ब) गायन

(क) वादन (ड) कूदना

(3) सुंदर मुद्रा में खड़े होकर हस्त-ग्रीवा-नेत्र आदि का संचालन करना : 1

(अ) करण (ब) अंगहार

(क) थाट (ड) बाट

(4) ततकार का मतलब : 1

(अ) पद साधना (ब) हस्त संचालन

(क) सिर संचालन (ड) अंग संचालन

(5) निकास मतलब : 1

(अ) प्रवेश (ब) निकलकर आना

(क) रुकना (ड) दौडना

(ब) जोड़िया बनाइए :– 5

अ	ब
(1) ठुमरी	(अ) संयुक्त हस्त
(2) माखन चोरी	(ब) कथक अभिनय
(3) चक्र	(क) कृष्ण-लीला
(4) मयुर	(ड) भ्रमरी
(5) कपोत	(इ) नृत्य हस्त

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/